जनपद– श्रावस्ती की भ्रमण आख्या

(भ्रमण अवधि– दिनांक 29 अप्रैल, 2022)

राज्य स्तरीय टीम–

मण्डलीय नोडल अधिकारी	– डा0 अर्चना वर्मा, महाप्रबन्धक, क्वालिटी एश्योरंस
सदस्य	– डॉ0 मोनिका त्रिपाठी–उप महाप्रबन्धक, शहरी स्वास्थ्य मिशन
सदस्य	– श्री बृजेन्द्र प्रताप श्रीवास्तव– कन्सलटेन्ट,सी0पी0
सदस्य	– श्री विजय जलपोटा, मण्डलीय एकाउण्ट मैनेजर, लखनऊ

दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान आच्छादित की गयी इकाइयां/गतिविधियां–

1. डी0सी0एच0, श्रावस्ती।
2. एफ0आर0यू0, सी0एच0सी0, इकौना, श्रावस्ती।
3. उपकेन्द्र स्तरीय हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर लम्बुईया, श्रावस्ती।
4. उपकेन्द्र स्तरीय हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर इकौना देहात, श्रावस्ती।

मिशन निदेशक महोदय,एन0एच0एम0 उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में राज्य स्तरीय टीम द्वारा दिनांक 29 अप्रैल, 2022 को जनपद श्रावस्ती का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। भ्रमण आख्या निम्नवत् है–

जिला संयुक्त चिकित्सालय, श्रावस्ती

मुख्य अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर एवं दायित्व
• अस्पताल एनक्यूएएस और लक्ष्य प्रमाणित है। • बाल चिकित्सा ओपीडी व वार्ड की स्थापना की जाएगी। • लेबर रूम पुर्नव्यवस्थित किया जाना है। • ऑब्जर्वेशन रूम बनाया जाएगा। • ईटीपी की स्थापना की जाएगी। • एसएनसीयू स्टाफ को प्रशिक्षण के लिए रोटेट किया जाएगा। • डीसीएच श्रावस्ती में, यह पाया गया कि 108 एम्बुलेंस नंबर यूपी41जी3305 का पिछला दाहिना दरवाजा टूटा हुआ था और रोगी केबिन के अंदर रखा गया था, फिर भी एंबुलेंस को ऑफ रोड नहीं ले जाया गया और एम्बुलेंस द्वारा केस चिकित्सालय लाये जा रहे थे। • 30 अप्रैल 2022 को भी एम्बुलेंस की स्थिति ऑन रोड स्थिति दिख रही थी।	मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार उपमहाप्रबन्धक, शहरी स्वास्थ्य द्वारा सेवा प्रदाता को नोटिस प्रेषित की गयी।	चिकित्सा अधीक्षक /नोडल अधिकारी

Scanned by CamScanner

एफ0आर0यू0, सी0एच0सी0, इकौना, श्रावस्ती।

मुख्य अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर एवं दायित्व
• कोई सफाई कर्मचारी/सुरक्षा गार्ड उपलब्ध नही है। • जेएसएसके के तहत भोजन की आपूर्ति नहीं की जा रही थी। • लॉन्ड्री का टेंडर नहीं हुआ था। • जनरेटर के लिए पीओएल उपलब्ध नहीं था। • बिजली की आपूर्ति पर्याप्त नहीं है। • दो सोलर पैनल लगे हैं लेकिन काम नहीं कर रहे हैं। • मरीजों के लिए बने शौचालयों में ताला लगा हुआ था।	अवलोकित बिन्दुओं पर तुरन्त कार्यवाही हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक /नोडल अधिकारी
ओटी – • बॉयल की ट्रॉली काम नही कर रही थी। • विक्रिल नियो/मल्टी पैरा मॉनिटर/हॉरीजेन्टल आटोक्लेव उपलब्ध नही है। • सभी ईडीएल मानदंडों के अनुसार उपलब्ध नहीं हैं। • उपकरण सेट उपलब्ध नही है। • दवाओं/उपकरणों की सूची उपलब्ध नही है। • ओटी लिनन और गाउन उपलब्ध नही थी। • जोनिंग की व्यवस्था उचित नहीं थी।	अवलोकित बिन्दुओं पर तुरन्त कार्यवाही हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
ब्लड स्टोरेज यूनिट – • फ्रिज बार-बार खराब हो रहा था। एक और रेफ्रिजरेटर की आवश्यकता है। • तौलने की मशीन खराब थी। • ट्रांसपोर्ट बैग, मिक्सिंग के लिए विग्स मशीन, आरएच व्यूअर बॉक्स उपलब्ध नहीं था, • एसी नही लगा था।	अवलोकित बिन्दुओं पर तुरन्त कार्यवाही हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
फार्मेसी – • मास्टर चार्ट उपलब्ध नही है। • पीजन चेस्ट उपलब्ध नही है। • अलमारी में औषधियों सम्बन्धी लेबल नही है। • ईडीएल की 294 औषधियों के सापेक्ष 119 औषधियाँ उपलब्ध थी। • फार्मासिस्ट को DVDMS पोर्टल के संचालन में प्रशिक्षित नही किया गया था। • सीएचसी पर 294 दवाओं के ईडीएल के बारे में जानकारी का अभाव।	अवलोकित बिन्दुओं पर तुरन्त कार्यवाही हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
रेडियोलॉजी विभाग – • टीएलडी बैज उपलब्ध नहीं है। • एईआरबी पंजीकरण नहीं किया गया। • एलईडी लाइनिंग उपलब्ध नही है। • एक्स-रे तकनीशियन लीड एप्रन का उपयोग नही कर रहा है।	अवलोकित बिन्दुओं पर तुरन्त कार्यवाही हेतु सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं चिकित्सा अधीक्षक

Scanned by CamScanner

• चिकित्सा इकाई की पैथोलॉजी में स्थान कम और भीड अधिक थी।	भीड को नियंत्रित करने के लिए रोगियों के बैठने की व्यापक व्यवस्था की आवश्यकता के सम्बन्ध में सुझाव दिया गया।	
आपातकाल सेवायें – • मानकों के अनुसार निर्धारित नहीं है। सभी कर्मचारियों के लिए बीएमडब्ल्यू प्रबंधन का प्रशिक्षण नहीं कराया गया है। • उपकरणों और उपभोग्य सामग्रियों का स्टरलाईजेशन की उचित व्यवस्था नहीं थी। • एल्बो टैप उपलब्ध नहीं था।		
आशा भुगतान सम्बन्धी – • धन की कमी के कारण आशा और आशा संगिनी के फरवरी और मार्च 2022 की प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं किया गया है।		
एम्बुलेंस सेवायें – • तीन 102, एक 108 और एक विभागीय एंबुलेंस परिसर में कबाड के रूप में खडी है। • सीएचसी को चार 102 वाहन सौंपे गए। भ्रमण के दौरान चारो वाहन सी0एच0सी0 पर उपलब्ध नहीं थे। जबकि दो 102 वाहन पोर्टल पर निष्क्रिय दिखाई पड़ रहे थे। • EMT अच्छी तरह से प्रशिक्षित नहीं था और BP लेने में भी असमर्थ था। • उपकरण नए थे और उपयोग नहीं किए गए थे। • बीपी उपकरण काम नहीं कर रहा था। • अंबु बैग और मास्क उपलब्ध नहीं थे। • एसी और पंखा काम नहीं कर रहा था। वैन में बिजली नहीं थी इसलिए कोई अन्य उपकरण काम नहीं कर रहा था। • ऑक्सीजन तो थी लेकिन मास्क साफ नहीं था।	मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निर्देशानुसार उपमहाप्रबन्धक, शहरी स्वास्थ्य द्वारा सेवा प्रदाता को नोटिस प्रेषित की गयी।	उप महाप्रबन्धक, शहरी स्वास्थ्य

उपकेन्द्र स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर– लम्बुईया एवं इकौना देहात।

मुख्य अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर एवं [illegible]
• दोनों उप केन्द्रों पर कार्यरत सीएचओ को अपने कार्यो एवं उत्तरदायित्वों के बारे मे जानकारी थी। • सभी रजिस्टरों का रखरखाव ठीक से किया गया था। • दोनों एचडब्ल्यूसी मे मासिक ओपीडी 350+ थी। • एनसीडी स्क्रीनिंग की जा रही थी। • दोनों एचडब्ल्यूसी में जेएएस का गठन किया गया है। जेएएस बैठक रजिस्टर और व्यय रिकॉर्ड अच्छी तरह से बनाए रखा गया था। • तैनात दोनों सीएचओ डीवीडीएमएस का इस्तेमाल कर रहे थे।		
• दोनों एचडब्ल्यूसी में दिशानिर्देशों के अनुसार ब्रांडिंग नहीं की गई थी। • एचडब्ल्यूसी इकौना देहात में, कलर कोड दिशा-निर्देशों के अनुसार नहीं था।	कलर कोड के अनुसार ब्राडिंग कराने, टाईल्स लगवाने, शौचालयों की मरम्मत आदि करवाने एवं टेली कन्सलटेशन सेवायें प्रारम्भ कराने हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्साधिकारी

Scanned by CamScanner

• दोनों एचडब्ल्यूसी में फर्श पर टाइलें नहीं थीं। • निर्माण की गुणवत्ता खराब है। • खिडकियों पर जाली नहीं लगायी गयी है। • दोनों एचडब्ल्यूसी में, निर्माण एजेंसी द्वारा शौचालयों का निर्माण पूरा नहीं किया गया था। शौचालय का गायब सामान खरीदने के लिए अनटाइड फंड का इस्तेमाल किया गया • टेली परामर्श सेवाएं प्रदान नहीं की जा रही थीं। पीएचसी के डॉक्टर टेली कंसल्टेशन नहीं कर रहे थे। • भ्रमण के समय पाया गया कि पीएचसी सेमरी तराहा और पीएचसी तिलकपुर को उपलब्ध कराए गए लैपटॉप पीएचसी में उपलब्ध नहीं थे।		

वित्तीय व्यवस्था – **जिला संयुक्त अस्पताल श्रावस्तीः** • सक्षम प्राधिकारी द्वारा रोकड़ बही, बैंक बही का अनुरक्षण एवं सत्यापन किया गया। • बैंक रीकन्सीलिएशन अगस्त, 2021 तक तैयार किया गया था। • आरकेएस बैठक का कार्यवृत्त तैयार किया गया था लेकिन व्यय राशि के अनुमोदन का कार्यवृत्त में उल्लेख नहीं किया गया था। • पीओएल–जनरेटर की लॉग बुक तैयार की गई। वित्त वर्ष 2021–22 के लिए बजट स्वीकृत नहीं होने के बावजूद अस्पताल द्वारा व्यय किया गया। • डाइट रजिस्टर विधिवत तरीके से अद्युनांत नहीं किया गया था। • 1551 JSY क्लाइंट का भुगतान लंबित है। **सीएचसी इकौना, श्रावस्तीः** • आहार पंजीका को अद्युनांत नहीं किया गया था। • पीओएल–जनरेटर की लॉग बुक नहीं बनी थी। वित्त वर्ष 2021–22 के लिए बजट स्वीकृत नहीं होने के बावजूद सीएचसी द्वारा उक्त मद में व्यय किया जा रहा है। • RKS मीटिंग रजिस्टर मेंटेन नहीं किया गया। • आशा प्रोत्साहन राशि का भुगतान जनवरी, 2022 तक तक ही किया गया है। • 931 जेएसवाई क्लाइंट का भुगतान लंबित है।	समस्त लम्बित भुगतानों को तत्काल भुगतान करने के सम्बन्ध में सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रभारी चिकित्साधिकारी

श्री विजय जलपोटी **मण्डलीय एकाउण्ट मैनेजर,** **लखनऊ**	**बृजेन्द्र प्रताप श्रीवास्तव** **कन्सलटेन्ट,सी0पी0**	**डॉ0 मोनिका त्रिपाठी** **उप महाप्रबन्धक** **शहरी स्वास्थ्य मिशन**	**डा0 अर्चना वर्मा** **महाप्रबन्धक** **क्वालिटी एश्योरेंस**

Scanned by CamScanner